

विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय
वर्ग -दशम् (ब+स)

॥ पाठ्य सहगामी अभिक्रिया ॥

सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो मुख्य पाठ्यक्रम के पूरक के रूप में काम करता है। ये पाठ्यक्रम का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जो छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही कक्षा शिक्षा को मजबूत करने में सहायक है। इस तरह की कार्यक्रम स्कूल के नियमित समय के बाद आयोजित किया जाता है इसलिए इसे पाठ्येतर गतिविधियां के रूप में जाना जाता है।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियों

की सूची

1. नाटक
2. संगीत और नृत्य

3. चित्रांकन और रंगाई
4. सजावट
5. कले मॉडलिंग
6. प्राथमिक चिकित्सा
7. सिलाई
8. रंगोली
9. बुक बाइंडिंग
10. कार्ड बोर्ड काम
11. चमड़े का काम
12. आयोजन स्कूल पंचायत
13. कला और शिल्प

आउटडोर सह पाठ्यक्रम गतिविधियों की सूची

1. सामूहिक परेड
2. सामूहिक ड्रिल

3. योग
4. व्यायाम
5. साइकिल चलाना
6. बागवानी
7. क्रिकेट
8. फुटबॉल
9. बास्केटबाल
10. वालीबाल
11. कबड्डी
12. खो-खो
13. हाथ गेंद
14. लंबी पैदल यात्रा
15. सामूहिक प्रार्थना
16. सुबह की सभा

प्रतिबिंब (reflection)

पाठ्यचर्य गतिविधियाँ विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इस समय हम सभी विद्यार्थियों के समग्र विकास के बारे में बात कर रहे हैं। और समग्र विकास में शैक्षणिक और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ दोनों शामिल हैं। पाठ्य सहगामी क्रियाओं की वजह से विद्यार्थी अपने आप को स्वस्थ और फ्री महसूस करते हैं जो उनके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं।

सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में छात्रों की भूमिका

सह पाठ्यक्रम गतिविधियों द्वारा छात्र व्यावहारिक ज्ञान के अनुभव को जान पाता है। बहुत हद तक यह क्लास शिक्षण और प्रशिक्षण को मजबूत करता है। बौद्धिक व्यक्तित्व के लिए क्लास रूम टीचिंग जरूरी है जबकि सौंदर्य विकास, चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक विकास इत्यादि में सह पाठ्यक्रम गतिविधियों का होना जरूरी है। यह स्कूल तथा कॉलेज के छात्रों के बीच समन्वय, समायोजन, भाषण प्रवाह आदि विकसित करने के लिए मदद करता है।

सह पाठ्यक्रम गतिविधिओं के लाभ

वैसे तो सह पाठ्यक्रम गतिविधिओं के बहुत सारे फायदे हैं। लेकिन यहां पर कुछ महत्वपूर्ण लाभ के बारे में बताया है।

1. सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ खेल, अभिनय, गायन एवं कविता पाठ को प्रोत्साहित करता है।
2. गतिविधियाँ जैसे खेल, बहस में भागीदारी, संगीत, नाटक, आदि शिक्षा को पूर्ण करने में मदद करता है।
3. यह बहस के माध्यम से स्वतंत्र रूप से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए छात्रों को सक्षम बनाता है।

4. खेल बच्चों को फिट और ऊर्जावान बनने में मदद करता है।
स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए मदद करता है।
5. यह गतिविधियाँ बताता है कि किसी भी काम को संगठित रूप में कैसे करना चाहिए, कौशल विकसित कैसे किया जाये, सहयोग और विभिन्न प्रस्थितिओं में समन्वय कैसे रखा जाये।
6. यह समाजीकरण, आत्म-पहचान और आत्म मूल्यांकन का अवसर प्रदान करता है।
7. यह निर्णय लेने में आप को एकदम सही बनाता है।
8. यह अपनेपन की भावना विकसित करने में मदद करता है।